



Pub. by – ISTM Library

April 2023

Vol. – 2, Issue – 3

# ISTM Library

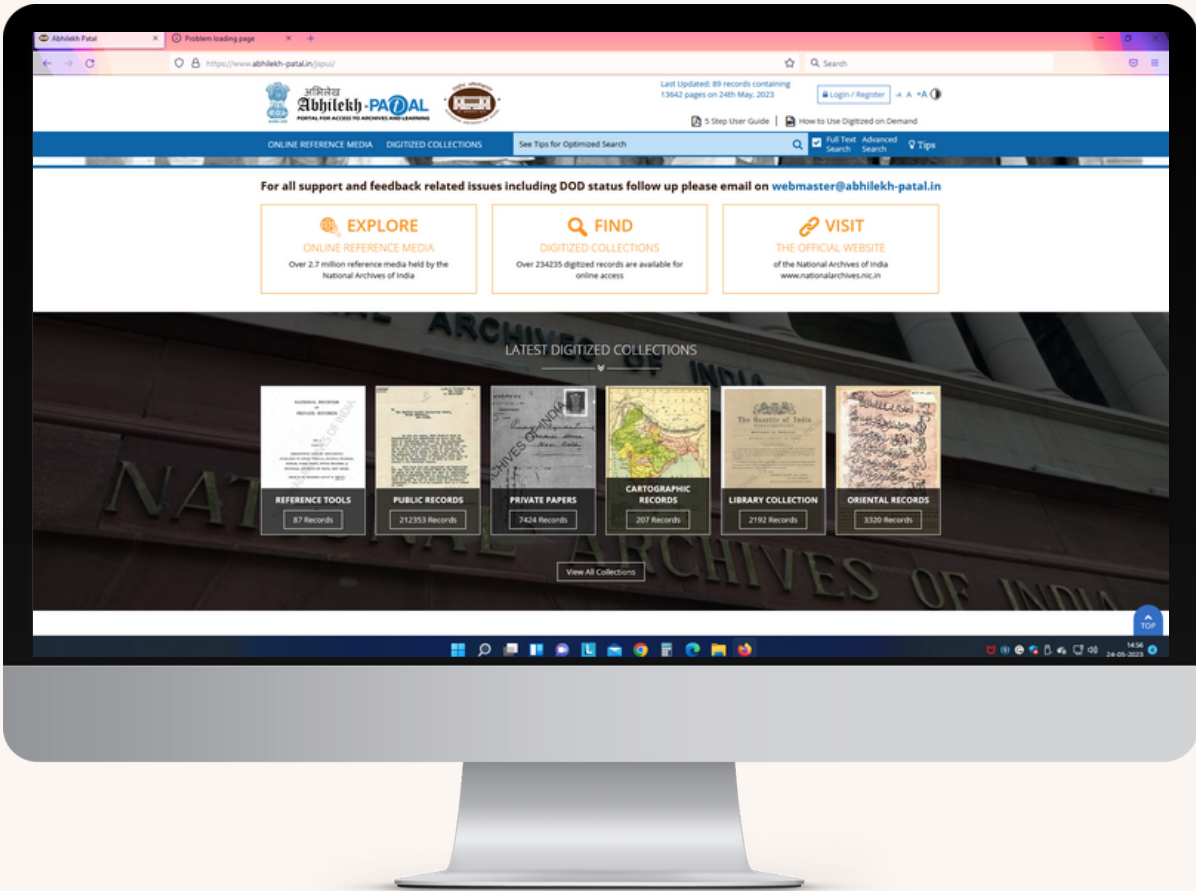
## Information Bulletin

The purpose of this "Information Bulletin" is to spread awareness about the services and activities of the ISTM Library and Research and Management Tools available as "Open Access" for the use of all the users.

### ABHILEKH PATAL

#### What is Abhilekh Patal?

Abhilekh Patal is a full-featured web-portal to access the National Archives of India's reference media and its digitized collections through the internet. It is 'work-in-progress' and both the reference media and the digital data will be regularly augmented.



Abhilekh Patal Portal for Access to Archives and Learning is an initiative of NAI to make its rich treasure of Indian Archival Records available to one and all at the click of a button.

Abhilekh Patal contains the reference media of more than 2.7 million files held by the National Archives of India.

**Over 234235 digitized records are available for online access.**

<b>22947</b> Registered Users	<b>2920397</b> Reference Media	<b>234235</b> Digitized Records	<b>11576496</b> Digitized Pages
-------------------------------------	--------------------------------------	---------------------------------------	------------------------------------



Source of image: <https://www.abhilekh-patal.in/jspui/>



SCAN THIS QR CODE TO KNOW MORE AND ACCESS THE ARCHIVED DOCUMENTS



# Talk of Management Tools

## April 2023



This section covers a one of the Management tools, useful in day to day official and personal management.

### TABLEAU

**Tableau at a glance:** At its core, Tableau is a data visualization tool, founded by three Stamford students as a result of a computer science project in 2003. Tableau was created with a guiding philosophy to make data understandable.

It's considered to be the most popular visualization platform in the industry, well regarded within the business intelligence community for its ease of use and simple functionalities, which make it easy to create insightful dashboards in a few clicks. It is an end-to-end platform, designed with both data analysts and business users in mind.

#### How is Tableau used by data analysts?



- **Data prep and cleaning:** Using the built-in data connections and tools in Tableau Prep, analysts are able to work more efficiently, even when collating data from multiple sources and file types.
- **Connecting and exploring data:** Tableau's drag-and-drop interface is intuitive and dynamic, allowing for more flexibility and experimentation. Visualizations can be built out rapidly with the aid of the Show Me feature.
- **What-if analysis:** The drag-and-drop interface, coupled with Tableau's powerful input capabilities (no row or column limits!) allow data analysts to modify calculations and test different situations with ease.
- **User interactivity:** Dashboard users are given the opportunity to interact with the dashboards created by data analysts and customize them at-will. Of course, the data analyst creating the dashboard will set parameters for the user to work within, but there is a lot of flexibility available here.
- **Calculations and functions:** The robust calculation language in Tableau makes it easy to perform sophisticated calculations and statistical functions. Anything from basic aggregations to statistical calculations (including covariance and correlation) can be achieved by working with the intuitive interface.
- **Community collaboration:** Through Tableau Public, there is an active community which allows for data analysts and other interested users to collaborate and learn from others. Product upgrades and patches, as well as new products, are added on a regular basis based on customer feedback.

Source of information: <https://www.planettogether.com/blog/five-principles-of-lean-manufacturing>

SCAN THIS QR CODE TO LEARN MORE ABOUT TABLEAU





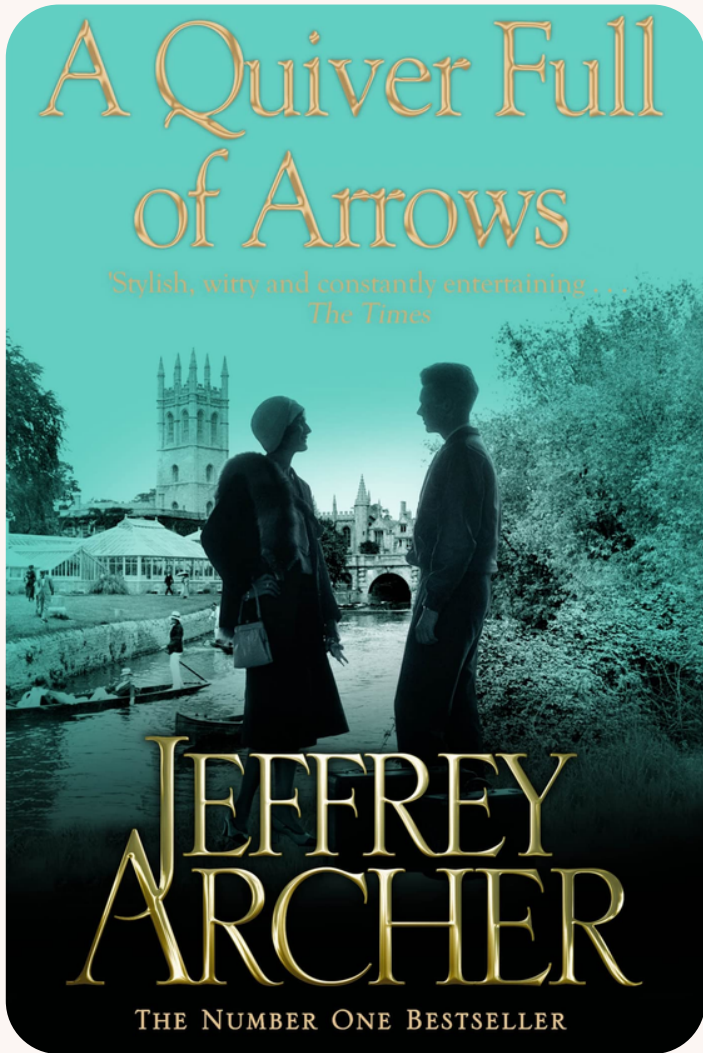


# From the New Arrivals

## April 2023



This section covers a short description and/or review of one or two book(s) from the New arrivals section along with the cover pages of some of the latest trending periodicals available in the library.



**A QUIVER FULL OF ARROWS**

Format Book (Paperback)  
Author Archer, Jeffrey  
Pub. & Desc. London: Pan Books c2013, 267p. : .19.6 cm.  
ISBN 978-1-5098-0729-1  
Class No 823.7  
Its all about: "A Quiver Full of Arrows" is a collection of twelve short stories written by Jeffrey Archer. The stories range from romance to suspense and are centred around characters facing various challenges. The book is well-written and engaging, making it a great read for those who enjoy short stories.

To know more and read this book, please visit us @ ISTM Library.

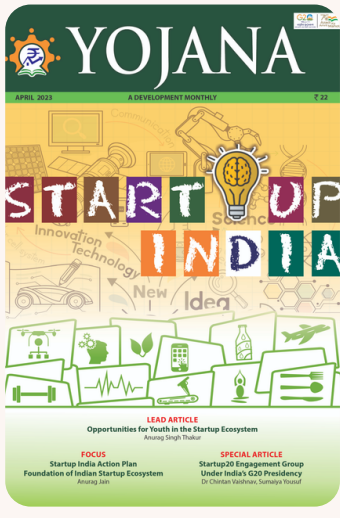
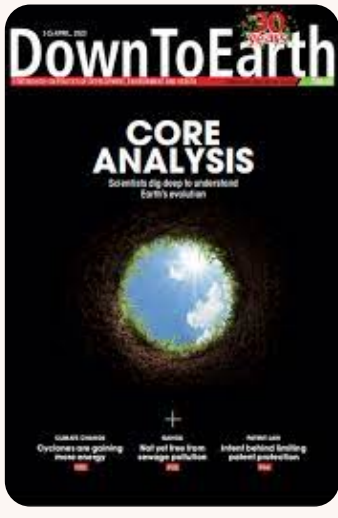
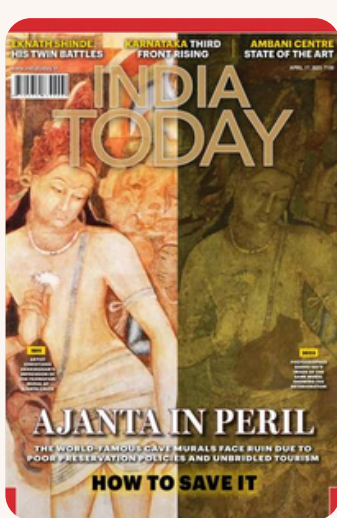
## MY INDIA

Format Book (Paperback)  
Pub. & Desc. New Delhi : Rupa Publications India Pvt. Ltd. c2018, 179p. : 19.84 cm.  
ISBN 978-06-7406-647  
Class No 915.4  
Its all about: "MY INDIA" is a book written by Jim Corbett, an English hunter, tracker, and conservationist. The book is a collection of essays and anecdotes about his experiences in India. It provides an insightful perspective into the country's wildlife, culture, and people.



To know more and read this book, please visit us @ ISTM Library.

## Periodicals trending this week in the Library



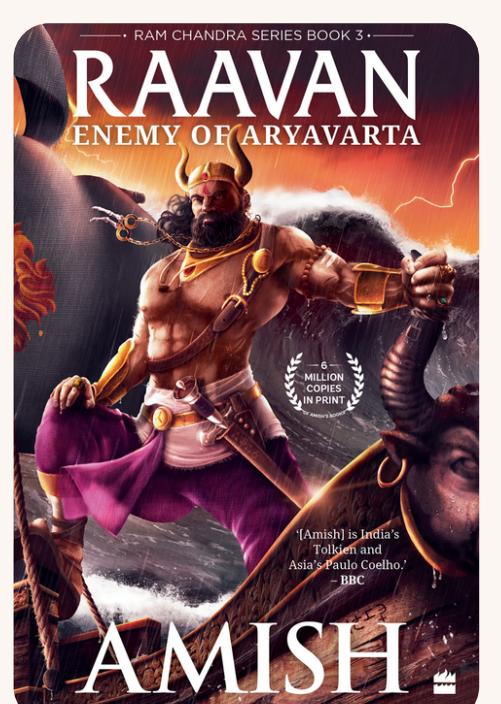
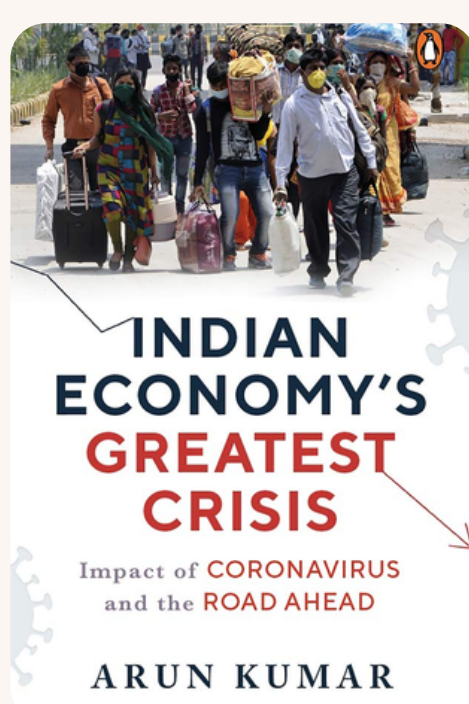
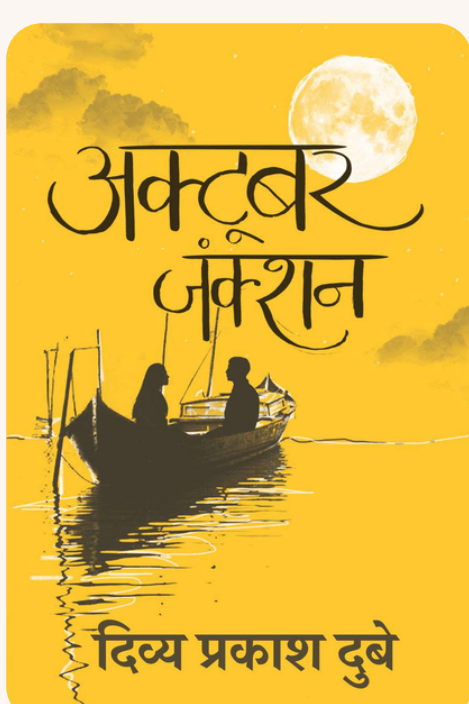
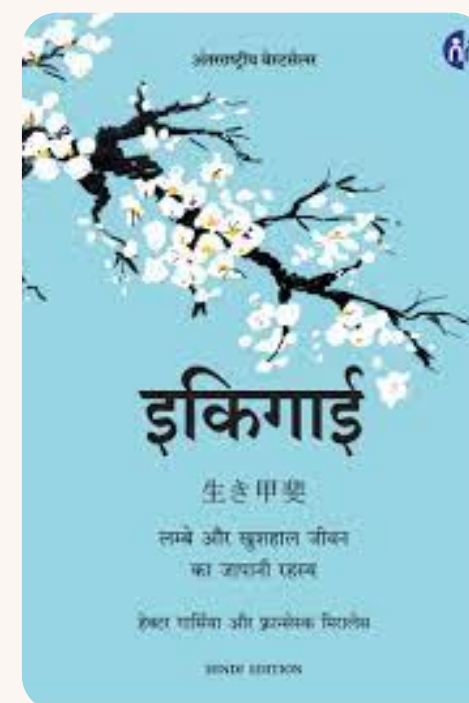
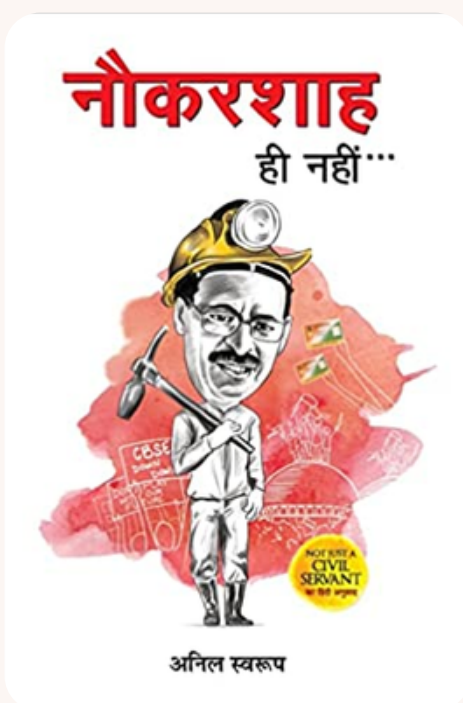
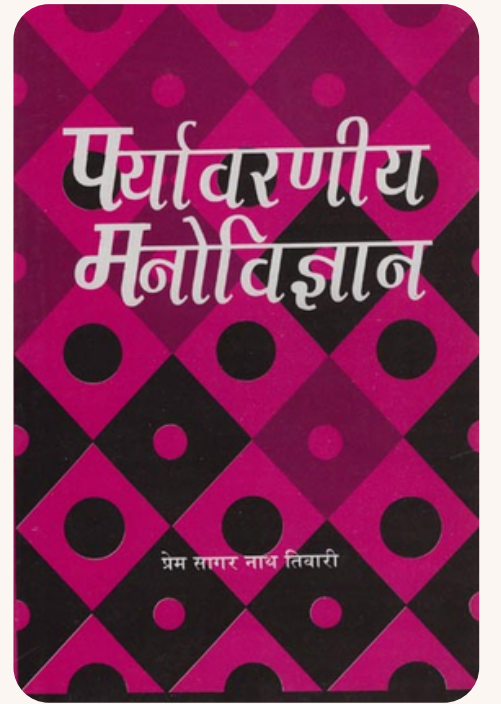
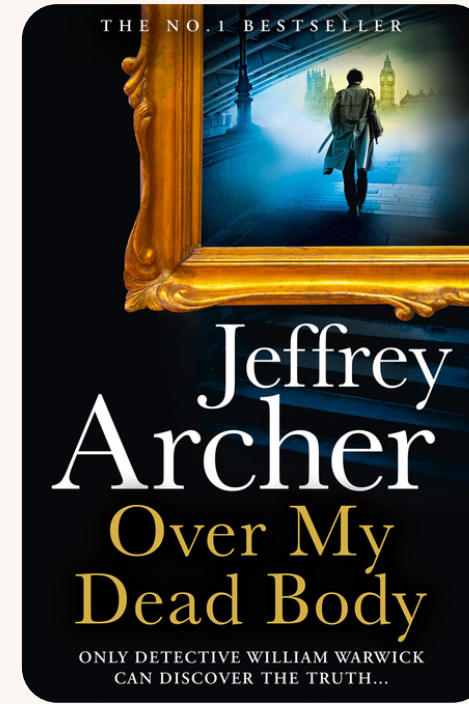
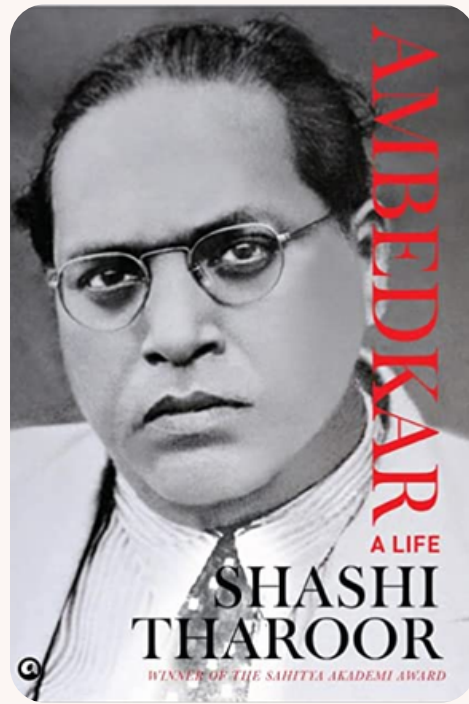
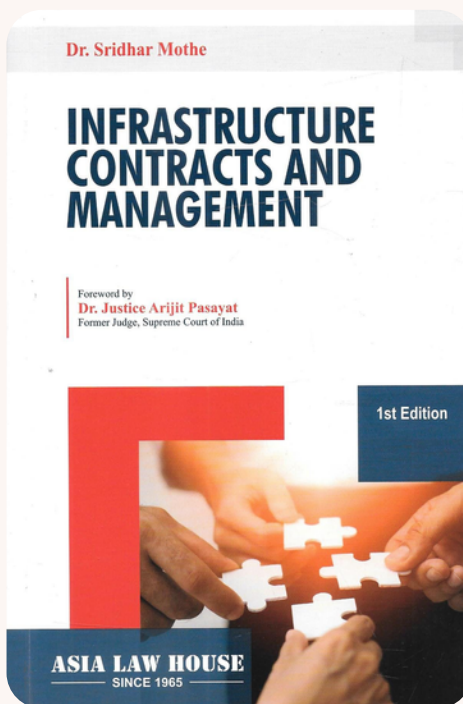
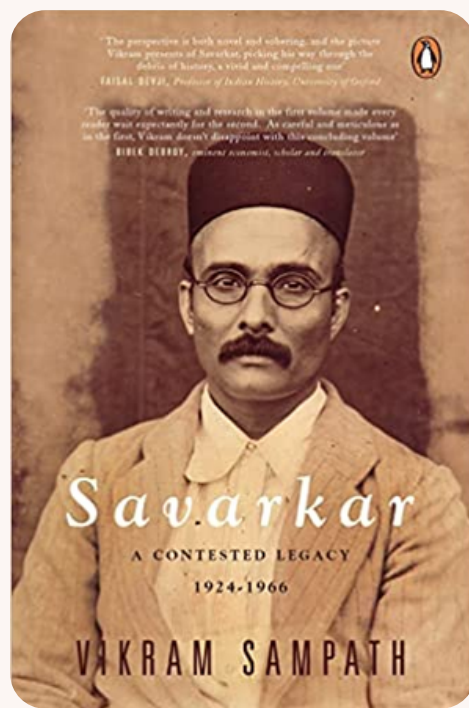
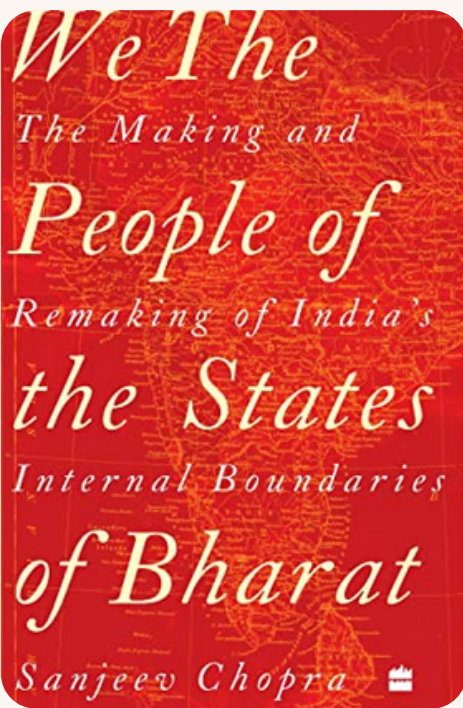
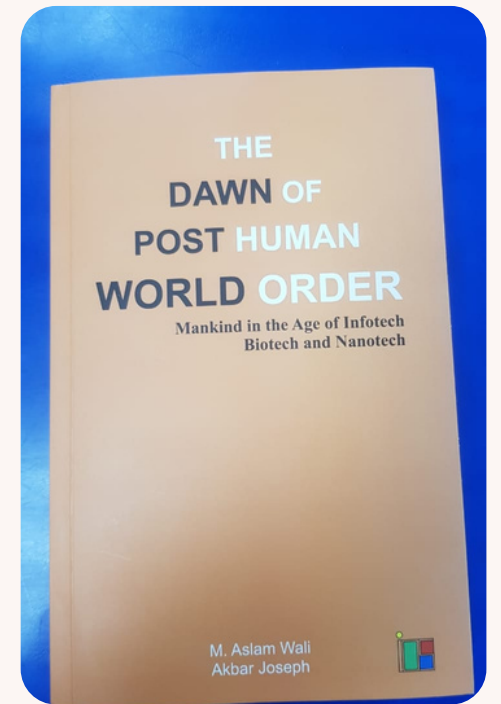
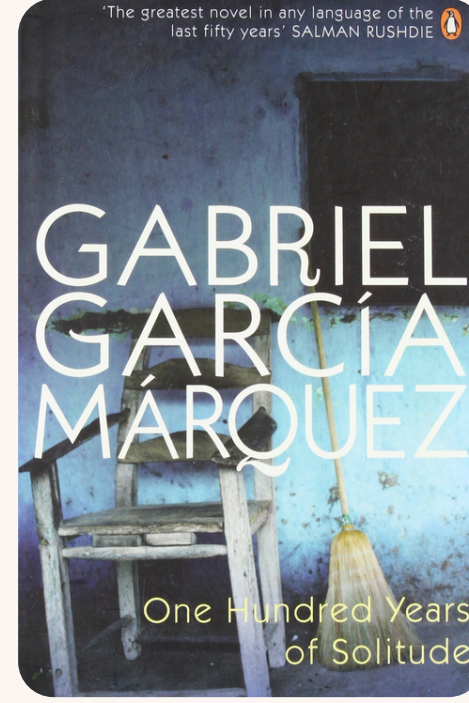
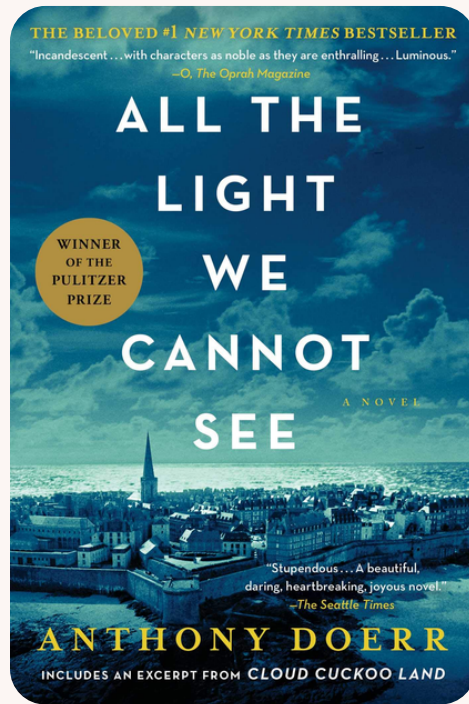
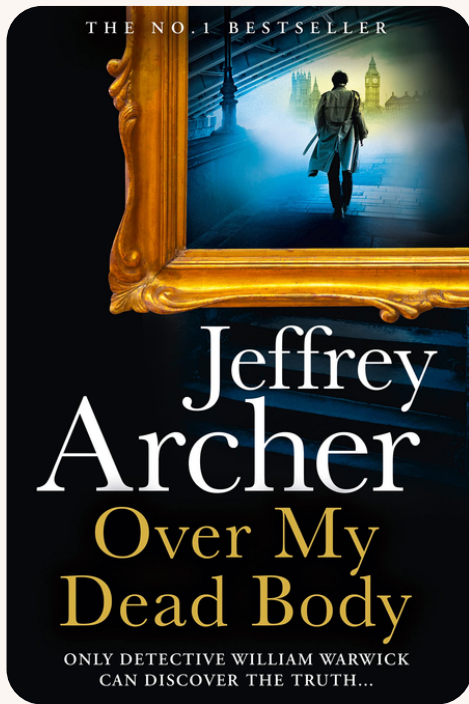
Please be in touch with ALIO, ISTM Library for any query, clarification and suggestion @ pawan.shrivastav@gov.in / library-istm@gov.in or @ 26737712



# From the New Arrivals

April 2023

## Hanging in New Arrival Display this month





## रेत समाधि: मानव और सभ्यता के समकालीन प्रश्नों और शाश्वत संदर्भों का अभूतपूर्व सृजनात्मक संश्लेषण - लेखिका गीतांजलि श्री

The first novel translated from an [Indian language](#) titled "Tomb of Sand" won the [International Booker Prize](#) in 2022,

प्रस्तुत पंक्तियों के लेखक ने भी, हजारों अन्य पाठकों की तरह, गीतांजलि श्री का उपन्यास 'रेत समाधि' पढ़ने की शुरुआत तब की जब उपन्यास को बुकर-पुरस्कार मिल चुका था और उपन्यास बहुत चर्चा, और विवादों में भी, आने लगी। अनेक पाठक और समीक्षक इस उपन्यास को हिंदी व भारतीय उपन्यासों की परंपरा में एक 'महान' उपन्यास की श्रेणी में डालने की संस्तुति करने लगे, तो अनेक दूसरे पाठकों और समीक्षकों ने इसे विचारोत्तेजना के शून्य में ले जाकर दिशाहीन छोड़ देने वाला उपन्यास कहा। आप ऐसी उत्सुकताओं के साथ उपन्यास को पढ़ने की शुरुआत तो करते हैं, पर पढ़ना शुरू करते ही आप समीक्षा के पारंपरिक मानकों और मीडिया के माध्यम से मन में उठे सवालों को पीछे छोड़कर उपन्यास की कथा, चित्रण और भाव तथा विचारों की रसों में डूबने-उतरने लगते हैं। एक-एक शब्द के साथ हम अनुभूतियों के प्रवाह में बहते चले जाते हैं। भाषा-शैली का बहुत संश्लिष्ट होते हुए भी प्रवाहमयी होना विस्मृत करता है।



'रेत समाधि' एक ओर तो मानव के रूप में व्यक्ति के प्रेम और सेक्सुअलिटी की शाश्वत कथा है, तो दूसरी ओर इसकी देश-काल-परिस्थिति हमारे समकालीन समाज के जटिल प्रश्नों को सामने लाती है। इसमें संगुणित वैचारिकता 'मानव सभ्यता' तथा 'भारत एक सभ्यता' की आशा-आकांक्षाओं को भी हमारी अनुभूति में उतारती है। निश्चित तौर पर, 'रेत समाधि' हमारे समय के बारे में एक अति महत्वपूर्ण और खूब प्रभावी सांस्कृतिक टिप्पणी है, और वह भी भावमयी और कवितामयी टिप्पणी।

'रेत समाधि' की कथा को मात्र कथा रूप में कहें तो वह थोड़े-से पृष्ठों में सिमट जाएगी। उपन्यास में चमत्कार यह है कि वह थोड़ी-सी कथा भी फैलकर पूरे 364 पृष्ठों में जबरदस्त उत्सुकता बनाए रखती है। कथा का उपन्यास में दूसरे तमाम प्रसंगों और चित्रणों से ऐसा एकाकार है कि एकदम से अप्रत्यक्ष लगने वाले प्रसंग और चित्रण भी मजबूती से कथा से आन मिलते हैं, और सभी अन्योन्य प्रसंग बड़े आर्गेनिक तरीके से कथा को मजबूती प्रदान करते हैं।

कथा में, हिन्दू चंद्रा और मुस्लिम अनवर के विभाजन-पूर्व प्रेम से शुरुआत है। दोनों विवाह करते हैं, पर विभाजन कि विभिषिका में दोनों को अलग होना पड़ता है। चंद्रा भारत आती हैं और यहाँ उसका विवाह और बच्चे होते हैं। चंद्रा एक जीवंत पत्नी और माँ कि भूमिका निभाने का संघर्ष करती है, लेकिन प्रथम प्रेम का भाव भी अपनी पूरी ईमानदारी से बना रहता है। अपने पति की मृत्यु के बाद 80 वर्ष की उम्र में चंद्रा अनवर की तलाश में पाकिस्तान जाती हैं। चंद्रा के समलैंगिक आकर्षण और उसकी बेटी के लीव-इन संबंध समकालीन देश-काल-परिस्थिति की पृष्ठभूमि में प्रेम और सेक्सुअलिटी के शाश्वत विरोधाभासों के अनेक प्रश्न उठाते हैं। देश के विभाजन ने 'भारत' नामक विचार को कैसे चोटिल और आहत किया- ऐसे सभ्यतामूलक प्रश्न भी मजबूती से उभरते हैं।

अगर हम उपन्यास की भाषा-शैली की बात करें, तो यह कह सकते हैं कि उपन्यास आश्चर्यजनक रूप से अनेकों शैलियों का जबरदस्त सृजनात्मक समायोजन करती है। कथा कहते हुए और चित्रण करते हुए लेखिका कौवा, पक्षियों, पेड़, पौधों, दरवाजा आदि से संवाद करने लगती हैं तो जैसे इन मूक पात्रों में जान डाल देती हैं और पूरी तरह 'वर्तमान क्षण' में खड़ी होकर कथा और परिस्थितियों में अर्थ डालने लगती हैं। उपन्यास के गद्य में आदि से अंत तक पद्य जैसा प्रवाह है और कविता जैसा आनंद है। लेखिका पात्रों के माध्यम से वैचारिक टिप्पणियाँ तो देती चलती ही हैं, लेखिका के रूप में स्वतंत्र वैचारिक टिप्पणियाँ भी देती चलती हैं। उपन्यास के भाषा-शैली की सफलता इस बात में छिपी है कि वैचारिक टिप्पणियाँ कहीं भी 'जजमेंटल' या आरोपित नहीं लगती, बल्कि उपन्यास के सृजनात्मक कलेवर के बीच में से बड़ी प्रामाणिक रूप से खिलती हैं।

इन पंक्तियों का लेखक बतौर एक आलोचक और पाठक, निष्कर्ष रूप में, उपन्यास के स्वयं पर पड़े प्रभाव के आधार पर, बहुत विनम्र होकर यह कहना चाहता है कि अपनी संवेदना और समझ दोनों को अधिक धारदार बनाने के लिए, तथा अपने अन्तः के गहन सांस्कृतिक 'फाइन ट्यूनिंग' के लिए यह उपन्यास ज़रूर पढ़ी जानी चाहिए।



**पाण्डेय राकेश,**  
**सहायक निदेशक, स.प्र.प्र.सं.**